an>

Title: Regarding justice to the victims of anti sikh riot of 1984.

श्री प्रेम सिंह चन्दूमाजरा (आनंदपुर साहिब) : मैडम, मैं सदन के सामने एक बहुत ही महत्वपूर्ण और गम्भीर मुद्दा उठा रहा हूं, मुझे विश्वास है कि इस हाउस में हर जीवित आत्मा पार्टीलाइन से ऊपर उठकर झिंझोड़ी जायेगी। मैं निवेदन करना चाहता हूं कि मेरे लिए समय की बंदिश न की जाए। आप जानते हैं, दुनिया जानती है, 1984 में जो सिखों का कत्लेआम हुआ। उसके लिए बहुत सारे कमीशन बने, दोÂषी पहचाने गये। लेकिन आज सीबीआई की फाइलों का नया खुलासा आया है। मुझे दिल्ली कमेटी के जो प्रेसीडेंट हैं, यह उन्होंने दिया है कि सीबीआई की फाइलों में दर्ज हुआ है कि पुल बंगश गुरुद्वारा के सामने बादल सिंह नाम का व्यक्ति मारा गया था, उसका आईविटनेस सुरेन्द्र सिंह था। उसे मैनेज करने के लिए...(व्यवधान) सीबीआई की फाइलों में अभिÂषेक वर्मा ने बयान दिया है कि पांच करोड़ रुपये â€¦* ने कनाडा में दिये और उसके लड़के को पचास हजार डालर देकर बाहर भेजा। ...(व्यवधान) लेकिन इतने बड़े गुनाह के दोÂषी को कोई सजा नहीं दी गई।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री भैरों प्रसाद मिश्र एवं कुंवर पुÂष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री प्रेम सिंह चन्दूमाजरा द्वारा उठाए गए विÂषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

माननीय अध्यक्ष : आपकी बात आ गई, आप बैठिये।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : सलीम साहब आप बोलिये। मैंने आपको बोल दिया है।

â€¦(व्यवधान)